शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

इतिहास विभाग

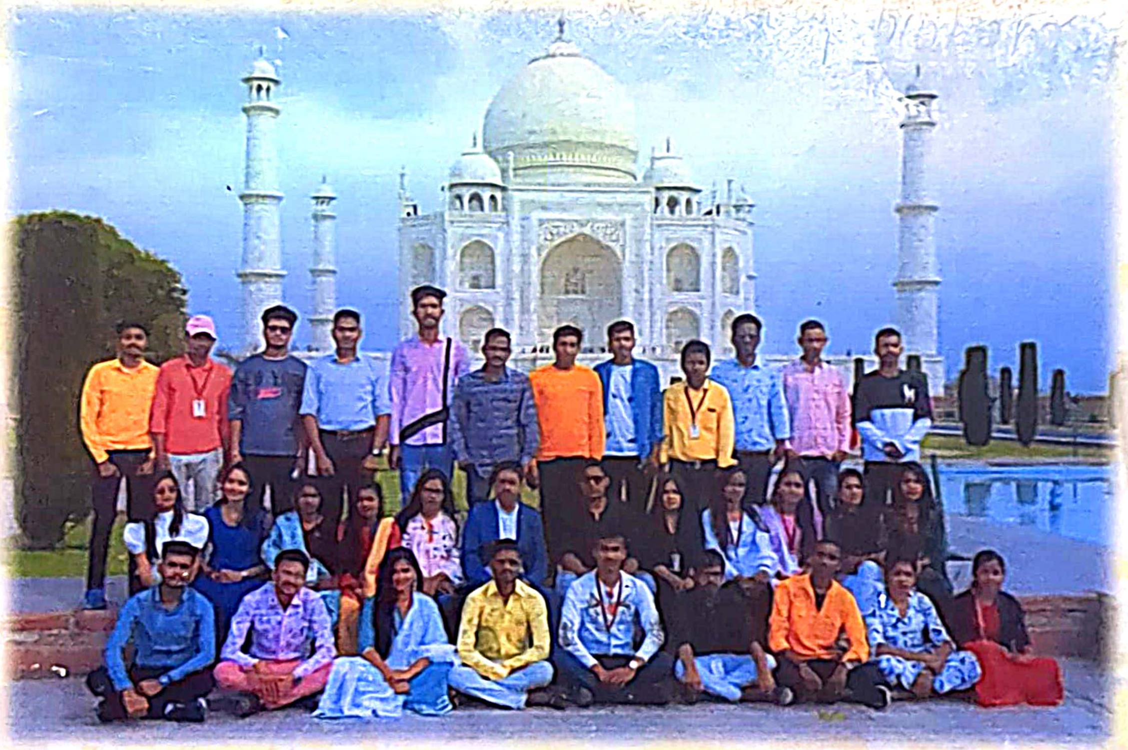

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2021-22

वार्षिक प्रतिवेदन

इतिहास विभाग

सत्र 2021–22

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय की स्थापना 13 जुलाई 1957 को हुई। सन् 1970 से महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर इतिहास विषय की पढ़ाई प्रारंभ हुई।सन 1982 से स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ हुई। वर्ष भर विभाग में विभिन्न गतिविधियों के संचालन हेतु प्रतिवर्ष इतिहास परिषद का गठन किया जाता है। सर्वोच्च अंकों के आधार पर पदाधिकारियों का मनोनयन किया जाता है, वर्तमान सत्र् में निम्न पदाधिकारी है :–

अध्यक्ष :– छन्नी साहू एम.ए.अंतिम

उपाध्यक्ष :– रेशु राजपूत एम.ए. पूर्व

सचिव :– श्वेता साहू एम.ए. अंतिम

सहसचिव :– बुधवार सिंह एम.ए. पूर्व

विद्यार्थियों की संख्या

कक्षा	छात्र की संख्या
बी.ए. प्रथम वर्ष	148
बी.ए. द्वितीय वर्ष	132
बी.ए. तृतीय वर्ष	122
एम.ए. पूर्व	49
एम.ए. अंतिम	45

इतिहास विभाग में सत्र के प्रारंभ में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विभाग के छात्र–छात्राओं ने एन.सी.सी.–एन.एस.एस. के सहयोग से ठाकुर प्यारेलाल सिंह के गृहग्राम सेमरादैहान में रैली तथा व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान समस्त ग्रामवासियों ने ग्राम में त्यौहार मनाया तथा रैली में गांववासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विभाग में प्रति वर्ष वार्षिक कैलेंडर के अनुसार महापुरुषों की जयंती मनाई जाती रही है,सत्र के प्रारंभ में 8 अगस्त को अगस्त क्रांति, 10 दिसंबर को शहीद वीरनारायण सिंह जयंती, 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती, 22 फरवरी को सुभाषचंद्र बोस जयंती, तथा 23 मार्च को शहीद राजगुरु,सुखदेव तथा भगत सिंह की जयंती मनाई गई।

विभाग में प्रतियोगी परीक्षाओं में तैयारी हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ में पी.एस.सी. टॉपर आस्था बोरकर तथा सहायक अध्यापक पद पर चयनित प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दीपक वर्मा के व्याख्यान का आयोजन किया गया। आई.पी.एस. की परीक्षा में पूरे भारत वर्ष में तीसरे स्थान पर रहे आई. पी.एस.श्री गौरव राय का व्याख्यान का भी आयोजन किया। जिलाधीश श्री तारण प्रसाद सिन्हा ने इतिहास के विद्यार्थियों को इतिहास विषय के बारे में जानकारी प्रदान की।

ऐतिहासिक व्याख्यान के अंतर्गत श्री जी.के.सिह प्राचार्य बालजोत सिंह कॉलेज यू.पी.का 1857 की क्रांति के विभिन्न आयामों पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के अतिरिक्त शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़, शासकीय महाविद्यालय सहसपुर लोहारा, अंबागढ़ चौकी, शासकीय महाविद्यालय महासमुंद, शासकीय दूधाधारी बंजारी कन्या महाविद्यालय रायपुर, शासकीय पीजी महाविद्यालय दंतेवाड़ा के भी अध्यापको एवं विद्यार्थियों

ने सहभागिता दी । पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय द्वारा स्थापित महाकोशल इतिहास परिषद की 101 वीं स्थापना वर्ष पर विभाग में डॉ.रमेंद्रनाथ मिश्र वरिष्ठ इतिहासकार के व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस वर्ष दिनांक 05–03–2022 से 09–03–2022 तक राष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने केवलादेव पक्षी अभ्यारण (भरतपुर राजस्थान), ताजमहल, आगरा का किला, फतेहपुर सीकरी तथा सिकंदरा में स्थित अकबर के मकबरे को देखा तथा ऐतिहासिक भ्रमण में अपने अनुभव के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जो विभाग में रखी हुई है।

इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह महाविद्यालय के स्वीप के प्रभारी थे। उन्होंने स्वीप कार्यक्रमों के अंतर्गत रंगोली, पेंटिंग, चित्रकला, ऑनलाइन फॉर्म 6, 7 एवं 8 भरने का प्रशिक्षण तथा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में 5 राज्यों तथा 8 जिले के 2005 विद्यार्थियों ने सहभागति की उन्हें प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया। डॉ. शैलेंद्र सिंह को लगातार 5 वें वर्ष सर्वश्रेष्ठ नोडल आफिसर का पुरस्कार प्रदान किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विभाग के विद्यार्थियों ने एन.सी.सी. एन.एस.एस. के विद्यार्थियों के सहयोग से रैली निकाली और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कन्हैयालाल अग्रवाल के परिवार को बदाम का पेड़ भेंट किया। इस अवसर पर जिला स्तर पर निबंध, रंगोली, पोस्टर तथा गीतों एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभाग की सहभागिता रही।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेंद्र सिंह को दिनांक 21–22 अक्टूबर 2021 को गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर में ''स्वतंत्रता समर और छत्तीसगढ़ '' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। इसी सेमिनार में विभाग के प्रो.हीरेंद्र

बहादुर ठाकुर ने अपना शोध पत्र भी प्रस्तुत किया। डॉ. शैलेंद्र सिंह को पंडित श्यामचरण शुक्ला कॉलेज धरसिवा रायपुर में अगस्त क्रांति महोत्सव में 10 अगस्त 2021 को विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। शासकीय महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी में डॉ.शैलेंद्र सिंह का व्याख्यान 16 जुलाई 2021 को आयोजित किया गया था। शासकीय महाविद्यालय ठेलकाडीह में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत व्याख्यान हेतु डॉ.शैलेंद्र सिंह को आमंत्रित किया गया।

एन.एस.एस. द्वारा आयोजित 12 दिसंबर को युवा दिवस के अवसर पर डॉ.शैलेंद्र सिंह एवं प्रो.हीरेंद्र बहादुर ठाकुर को विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। एन.एस.एस. के 7 दिवसीय शिविर में डॉ. शैलेंद्र सिंह एवं प्रो. हीरेंद्र बहादुर ठाकुर को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी

इतिहास विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें आजादी से संबंधित दस्तावेजों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिनका उद्घाटन जिलाधीश श्री तारण प्रकाश सिन्हा द्वारा किया गया।

अंर्तविभागीय व्याख्यान

विभाग में अंर्तविभागीय व्याख्यान के अंतर्गत प्रो. संजय सप्तऋषि का संयुक्त राष्ट्र संघ विषय पर, डॉ. गायत्री साहू का छत्तीसगढ़ भाषा विषय तथा प्रो. चंदन सोनी का परीक्षा की तैयारी कैस करें विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

विभाग में ऑनलाइन शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 50 पालकों ने भागीदारी की और अपने सुझाव दिए।

कोशल प्रशस्ति–रत्नावली का विमोचन

छत्तीसगढ़ के प्राचीन इतिहास संबंधी शिला और ताम्रलेखों का संग्रह का विमोचन डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र, प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर, डॉ.शैलेंद्र सिंह, डॉ. अनिता महिश्वर, प्रो.हीरेंद्र बहादुर ठाकुर द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय भ्रमण

दिनांक 5.3.22 से 9.3.22 तक

1. केवलादेव पक्षी अभ्यारण्य (भरतपुर राजस्थान),
2. ताजमहल,
3. आगरा का किला,
4. फतेहपुर सीकरी,
5. सिकन्दरा

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 10 / 03 / 2022

इतिहास विभाग का राष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में तथा विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा हेमलता साहू के नेतृत्व में इतिहास विभाग के छात्र–छात्राओं ने भरतपुर पक्षी अभ्यारण (राजरथान) तथा आगरा का शैक्षणिक भ्रमण किया। राजरथान का भरतपुर पक्षी अभ्यरण वर्तमान में केवल्यदेव अभ्यारण के नाम से जाना जाता है, यह अभ्यारण 7.2 हेक्टेयर में फैला हुआ है, इनमें देश–विदेश के विभिन्न प्रजातियों के लगभग 365 से अधिक प्रजाति के पक्षी आते है। इसे युनेस्को ने 1985 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया था। आगरा के अंतर्गत ताजमहल, फतेहपुर सीकरी, आगरा का किला तथा सिकंदरा में स्थित अकबर के मकबरे को देखा तथा मुगलकालीन रचापत्य कला की बारिकियों को जानने का प्रयास किया। फतेहपुर सीकरी का निमर्ण 15 वर्षो में हुआ था, यहां का बुलंद दरवाजा का वास्तुकला में विशिष्ट स्थान है, इसकी उंचाई 176 फीट है। इसके अलावा दीवान–ए–खास, दिवान–ए–आम, पंचमहल, हवा महल, जोधा बाई का महल, मरियम का महल तथा महत्वपूर्ण इमारते है। आगरा के किले का निर्माण कार्य अकबर ने प्रारंभ किया था और औरंगजेब के समय में पूर्ण हुआ था। इसमें लाल पत्थरों का प्रयोग किया गया है। ताजमहल वास्तुकला की कारीगरी का सर्वोत्कृष्ट नमूना है तथा विश्व को सर्वश्रेष्ठ उपहार है। ताजमहल में सफेद संगमरमर का प्रयोग किया गया है। ताजमहल यमुना नदी के किनारे स्थित है। सिकन्दरा में जो आगरा से 5 मील की दूरी पर है, यहां पर अकबरा का मकबरा स्थित है। मकबरा के दोनो तरफ काफी विशाल क्षेत्र है, इसमें हिरन, चीतल, बारासिंगा, मोर को स्वछंद रुप से विवरण करते हुए देखा जा सकता है। मकबरे का निर्माण कार्य अकबर ने स्वयं प्रारंभ किया था जिसे शाहजहां ने पूरा किया।

ऐतिहासिक भ्रमण

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग के द्वारा छात्र–छात्राओं तथा 03 प्राध्यापको डॉ. शैलेंद्र सिंह प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा प्रो. हेमलता साहू के नेतृत्व में छात्र–छात्राओं ने भरतपुर पक्षी अभयारण्य राजस्थान तथा ताजमहल फतेहपुर सीकरी आगरा का किला सिकंदरा में स्थित अकबर के मकबरे को देखा। भ्रमण के प्रथम दिवस भ्रमण दल दिनांक 06.03.2022 को प्रातः 10 बजे भरतपुर वन्य अभ्यारण पहुंचा भरतपुर वन्य अभ्यारण को केवलादेवी पक्षी अभयारण्य के नाम दिया गया है यह अभ्यरण्य 723 हेक्टर क्षेत्र में फैला हुआ है यहां पर अक्टूबर से फरवरी माह के बीच देश–विदेश से 365 विदेशी प्रजातीय की पक्षी आते हैं 1985 में इससे विश्व विरासत सूचीयों में शामिल किया गया था। पर्यटकों को घुमाने हेतु ईरिक्सा का व्यवस्था राजस्थान टूरिज्म बोर्ड द्वारा की गई है। यहां गाइड के जरिए छात्र–छात्राओं ने अभ्यारण का विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही अभ्यारण के अधिकारियों द्वारा छात्र–छात्राओं को वहां से संबंधित लिटरेचर भी प्रदान किया गया।

6 तारीख को ही भरतपुर से वापस आकर भ्रमण दल फतेहपुर सीकरी घुमा फतेहपुर में महल तक जाने हेतु अलग से वाहन की व्यवस्था करनी पड़ती है सभी भ्रमण दल गाइड के माध्यम से फतेहपुर सिकरी पहुंचे और वहां पर उन्होंने फतेहपुर सीकरी के स्थापत्य कला की विस्तृत जानकारी प्राप्त की फतेहपुर सीकरी आगरा से 23 किलोमीटर दूरी पर स्थित है यहां पर अकबर द्वारा निर्मित बुलंद दरवाजा विश्व प्रसिद्ध है इसका उच्चाई 175 फीट है बुलंद दरवाजा के सामने ही सफेद संगमरमर से बनी हुई शेख सलीम चिश्ती की दरगाह है दरगाह के बगल में ही नमाज पढ़ने के लिए एक अलग स्थान बनाया हुआ है फतेहपुर की इमारतों में लाल पत्थरों का प्रयोग किया गया है महल के दूसरे हिस्सों में अकबर की रानियों जोधा बाई मरियम का महल दार्शनिक है इसके अलावा दीवान आम दीवाने खास पंचमहल तानसेन की बैठने की व्यवस्था दर्शनीय है। सारे विद्यार्थियों को यहां मुगलकालीन स्थापत्य कला के बारिकों से परिचित हुए।

दिनांक 07.03.2022 को भ्रमण दल प्रातः 10 बजे ताजमहल देखने पहुंचा और 01 बजे तक ताजमहल का भ्रमण किया। ताजमहल विश्व के 07 अजूबों में से एक ताजमहल को आप जितना बार देखोगे उतना ही देखने की इच्छा जागृत होती है। यमुना किनारे स्थित ताजमहल से आगरा के किले को भी देखा जा सकता है ताजमहल में कुरान की आयतें भी लिखी गई है।

7 तारीख को दोपहर 2:30 बजे भ्रमण दल आगरा का किला देखने को पहुंचा आगरा के किले का निर्माण अकबर के द्वारा प्रारंभ किया गया था विशाल इस किले का विस्तार जहांगीर शाहजहां और औरंगजेब के समय भी होता रहा लाल पत्थरों से बना यह किला मुगलकालीन

स्थापत्य कला के प्रमुख इमारतों में से एक है किले के अंदर वह दर्शनीय स्थल भी है जहां मयूर सिंहासन रखा जाता था जिस पर विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा जड़ा हुआ था आगरा के किले के अंदर प्रमुख दर्शनीय स्थलों में खास महल जहागीरि महल, मीना मस्जिद सिलालेख, जहांगीर का सिहासन, अंगुरी बाग, दिवाने आम, दिवाने खास, स्वर्ण मंडप, मछली भवन, मोती मस्जिद, मुसम्मन बुर्ज, नगीना मस्जिद, रंग महल, शीश महल. प्रमुख है

भ्रमण दल 08.03.2022 को सुबह 11 बजे सिकंदरा स्थित अकबर के मकबरा को देखने पहुंचे प्रवेश करते समय दाहिने भाग में कांच घर बना हुआ है कहा जाता है कि मुगल शासक जहां शिकार करने जाते थे तो काचं घर में आकर विश्राम करते थे और उसके खाने की व्यवस्था कांच घर में ही होती थी। अपने मकबरे का निर्माण अकबर ने स्वयं आरंभ किया था अकबर के मकबरे के पास ही उनकी पत्नी रुकईया बेगम का मकबरा एक तरफ तथा दूसरी तरफ उनके बहन का मकबरा भी प्रवेश द्वार पर स्थित है मकबरे के अंदर किसी भी प्रकार का नक्कासी नहीं की गई है। अकबर ने उसे जिस स्थिति में बनवाया था आज भी उसी स्थिति भी है सिकंदरा के चारों कोनों में विशाल दरवाजे बनवाए गए थे जिसमें से 03 हिस्से के दरवाजे तो अच्छी है, परंतु एक दरवाजा जीर्ण स्थिति में पहुंच चुका है सिकंदरा आगरा से 12 किलो मीटर दूरी पर स्थित है इसके विशाल क्षेत्र के दोनों ओर विशाल मैदान है जहां हिरण, चीतल, बारहसिंघा और खरगोश विचरण करते हुए दिखा जा सकते हैं यहां छात्र–छात्राओं के लिए विशेष अनुभव का विषय था इस भ्रमण के दौरान छात्र–छात्राओं ने अपने अनुभव लिखे हैं जो इस प्रतिवेदन में संलग्न है। मुगलकालीन स्थापत्य कला को देखने तथा केवलादेवी पक्षी अभ्यारण्य का भ्रमण इतिहास के विद्यार्थियों के लिए काफी लाभदायक और सभी ने इस यात्रा का प्रशंसा भी की उन्हें महसूस हुआ कि पुस्तिकीय ज्ञान से ज्यादा महत्व किसी भी चीजों का प्रत्यक्ष देखकर ज्ञान प्राप्त करना होता है।

Singh

Dr. Shailendra Singh
H.O.D. History
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)

2022.03.06 15:02

विभागीय आयोजन

(1) सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती – 31 अक्टुबर 2021

(2) शहीद वीरनारायण सिंह जयंती – 10 दिसम्बर 2021

(3) सुभाषचंद्र बोस जयंती पर परिचर्चा –23 जनवरी 2022

(4) भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव जयंती – 23 मार्च 2022

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 10 / 12 / 2021

शहीद वीर नारायण सिंह जयंती मनाई गई

छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद थे वीर नारायण सिंह – डॉ. शैलेन्द्र सिंह

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में शहीद वीर नारायण सिंह जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रथम सेनानी वीर नारायण सिंह का जन्म सोनाखान में हुआ। वे वहां के जमींदार थे। सोनाखान क्षेत्र में भीषण अकाल पड़ने पर उन्होने कसडोल के व्यापारी माखनलाल से किसानों को अनाज देने का आग्रह किया था, किंतु उन्होंने मना कर दिया। ऐसी स्थिति में उन्होने गोदाम से अनाज लूटकर प्रजा में बांट दिया। अंग्रेजों को यह बात सहन नही हुई और उन्हे गिरफ्तार कर लूटपाट के आरोप में रायपुर जेल में डाल दिया। 27 अगस्त 1857 को वे जेल तोडकर भाग निकले और उन्होने 500 आदिवासी सैनिकों के दल का गठन कर लिया। बाद में रायपुर के कमिश्नर चार्ल्स इलिएट के आदेश पर लेफ्टिनेंट स्मिथ और नेपियर ने वीर नारायण सिंह को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। 10 दिसंबर 1857 को उन्हे रायपुर के जयस्तंभ चौक में फांसी की सजा दे दी गई। वीर नारायण सिंह छ.ग. के प्रथम शहीद माने जाते है।

इस अवसर पर एन.सी.सी. अधिकारी प्रो. के.एल. दामले इतिहास विभाग के प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर, रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा, एन.एस.एस. अधिकारी प्रो. नूतन देवांगन एवं प्रो. संजय देवांगन, प्रो. हेमलता साहू के साथ इतिहास विभाग, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. के छात्र उपस्थित थे।

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 22/01/2021

सुभाषचन्द्र बोस जयंती पर परिचर्चा का आयोजन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचन्द्र बोस जयंती के पूर्व संध्या पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर द्वारा सुभाषचन्द्र बोस के जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 1919 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद सुभाष इंग्लैण्ड चले गये और 1920 में उन्होंने भारतीय सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया, लेकिन नियुक्ति से पहले ही वे भारत लौट आए और भारत की स्वतंत्रता आंदोलन से जुड गये। कलकत्ते में ''प्रिंस ऑफ वेल्स'' के शाही दौरे के विरोध करने पर उन्हें जेल में डाल दिया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1938 में सुभाषचन्द्र बोस को हरिपुरा अधिवेशन में कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। तब वे 41 वर्ष की आयु में सबसे कम आयु के अध्यक्ष बने। सुभाषचन्द्र बोस का अपना अलग दृष्टिकोण था उन्होंने जब देखा कि गांधी और कांग्रेस की मुख्य धारा को अपने तात्कालिक दृष्टिकोण से जोडने का उनका प्रयत्न सफल नहीं हो सकता तब उन्होने स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु देश के बाहर जाने का निर्णय लिया था। 21 अक्टूबर 1943 का दिन भारतीय इतिहास में अविस्मरणीय है। इस दिन नेताजी ने स्वतंत्र भारत की ''अस्थायी सरकार की स्थापना की'' इसमें 21 सदस्य थे। नेताजी ने आई.एन.ए. लोग का गठन किया था और सैनिको को ''दिल्ली चलो'' का नारा दिया था। इस अवसर पर बसंतपुर थाना के टी.आई. श्री राजेश साहू, डॉ. डी. पी. कुर्रे, डॉ. एच.एस. भाटिया, डॉ. के.एन. प्रसाद, प्रो. नूतन देवांगन, प्रो. संजय देवांगन, प्रो. विकास काण्डे, प्रो. मंजरी सिंह, प्रो. संजय सप्तर्षि, प्रो. हेमंत नन्दागौरी एवं डॉ. हेमलता साहू उपस्थित थे।

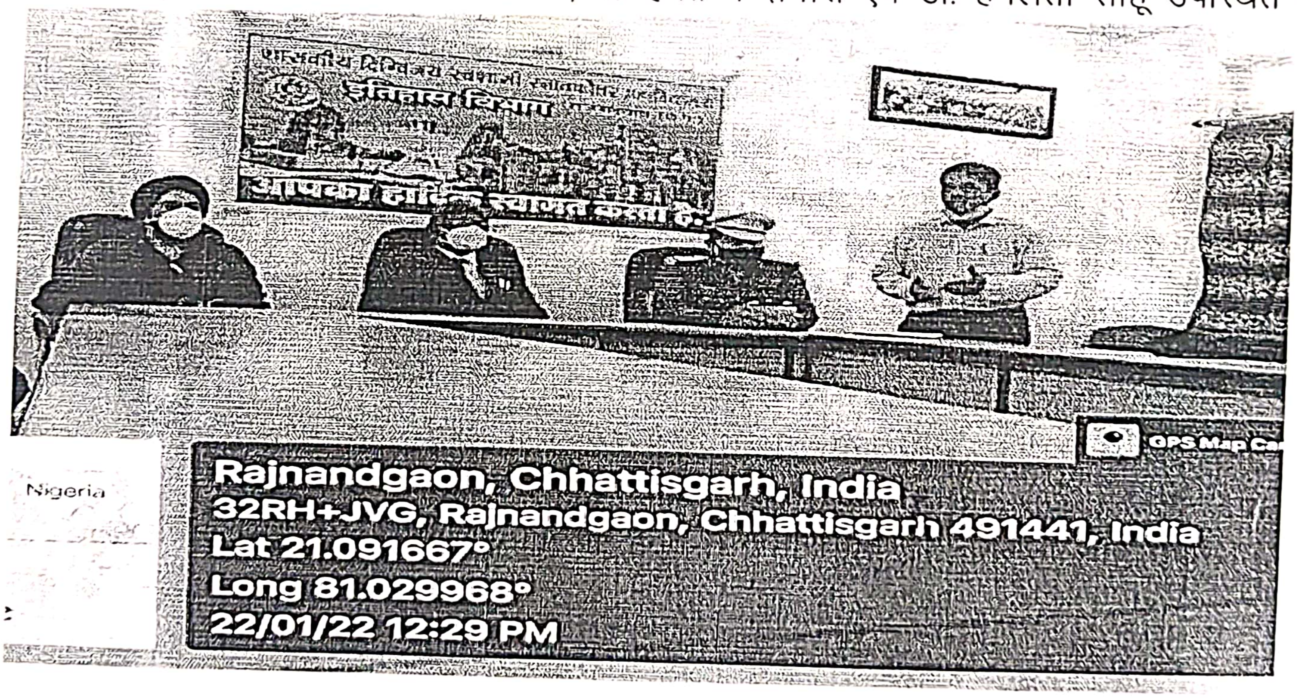

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 23 / 03 / 2022

इतिहास विभाग में याद किए गए भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद भगतसिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को उनकी शहादत दिवस पर याद किया गया। प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने कहा कि ये देश हमारा मूल्क हमारा है, ऐसी भावना लेकर अंग्रेजी दासता से मुक्ति पाने के लिए देश के युवा क्रान्तिकारियों ने देश को आजाद करने का संकल्प लिया और अपने प्राणों का न्यौछावर कर देश की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि राजगुरु का पूरा नाम शिवराम हरी राजगुरु था। छोटी उम्र में ही वे वाराणसी विश्वविद्यालय में अध्ययन करने गये थे, इन्होने हिंदू धर्म ग्रंथो का अध्ययन किया। ये चन्द्रशेखर आजाद से काफी प्रभावित थे और उनकी पार्टी हिन्दुस्तान स्पेशलिस्ट रिपब्लिक आर्मी से जुड गये थे। ये अच्छे निशानेबाज थे और साण्डर्स की हत्या में इन्होने भगत सिंह और सुखदेव का साथ दिया था। सुखदेव लाहौर नेशनल कालेज के छात्र रहे थे। लाला लाजपत राय की मौंत का बदला लेने के लिए कैप्टन साण्डर्स हत्या में इन्होने भगतसिंह , राजगुरु का पुरा साथ दिया था। सन् 1929 में जेल में कैदियो के साथ हुए अमानवीय व्यवहार किए जाने के विरोध में व्यापक हड़ताल में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया था। 23 मार्च को इन्हे फांसी की सजा दी गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि भगत सिंह महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। इन्होने चन्द्रशेखर आजाद के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया। इन्होने दिल्ली की केन्द्रीय संसद में बम विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह का बुलंद किया। बम फेकने के बाद इन्होने भागने से मान किया। 23 मार्च को इन्हे राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दे दी गई। आभार प्रदर्शन प्रो. हेमलता साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

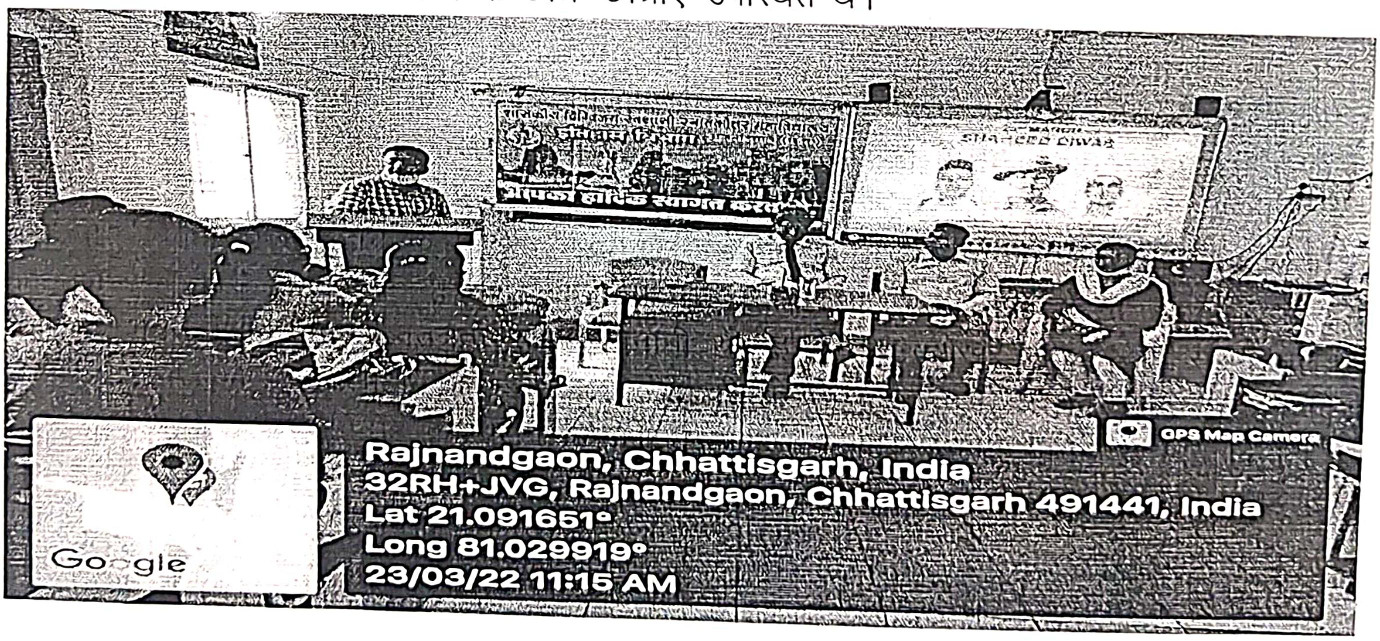

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 23 / 03 / 2022

इतिहास विभाग में याद किए गए भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद भगतसिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को उनकी शहादत दिवस पर याद किया गया। प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने कहा कि ये देश हमारा मूल्क हमारा है, ऐसी भावना लेकर अंग्रेजी दासता से मुक्ति पाने के लिए देश के युवा क्रान्तिकारियों ने देश को आजाद करने का संकल्प लिया और अपने प्राणों का न्यौछावर कर देश की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि राजगुरु का पूरा नाम शिवराम हरी राजगुरु था। छोटी उम्र में ही वे वाराणसी विश्वविद्यालय में अध्ययन करने गये थे, इन्होने हिंदू धर्म ग्रंथो का अध्ययन किया। ये चन्द्रशेखर आजाद से काफी प्रभावित थे और उनकी पार्टी हिन्दुस्तान स्पेशलिस्ट रिपब्लिक आर्मी से जुड गये थे। ये अच्छे निशानेबाज थे और साण्डर्स की हत्या में इन्होने भगत सिंह और सुखदेव का साथ दिया था। सुखदेव लाहौर नेशनल कालेज के छात्र रहे थे। लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए कैप्टन साण्डर्स हत्या में इन्होने भगतसिंह , राजगुरु का पुरा साथ दिया था। सन् 1929 में जेल में कैदियो के साथ हुए अमानवीय व्यवहार किए जाने के विरोध में व्यापक हड़ताल में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया था। 23 मार्च को इन्हे फांसी की सजा दी गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि भगत सिंह महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। इन्होने चन्द्रशेखर आजाद के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया। इन्होने दिल्ली की केन्द्रीय संसद में बम विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह का बुलंद किया। बम फेकने के बाद इन्होने भागने से मान किया। 23 मार्च को इन्हे राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दे दी गई। आभार प्रदर्शन प्रो. हेमलता साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

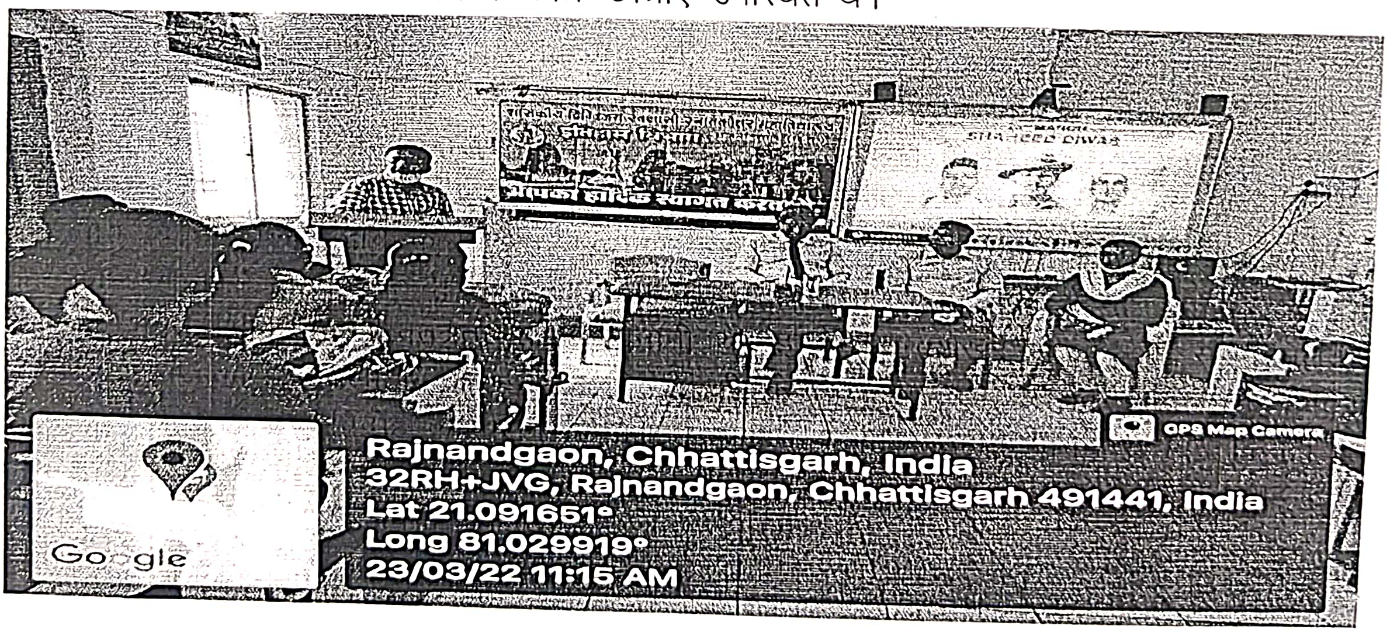

मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम

आनलाइन तथा ऑफलाइन फॉर्म 06,07,08 की जानकारी में सहभागिता

महाविद्यालयीन स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में सहभागिता में सहभागिता

रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता में सहभागिता

मतदाता सत्यापन शिविर में सहभागिता

मतदाता शपथ, मतदाता रैली, नुक्कड़ नाटक में सहभागिता

पुरस्कार

जिला स्तर पर श्रेष्ठ नोडल ऑफिसर के रुप में लगातार 5वें वर्ष पुरस्कृत

राजनांदगांव दिनांक 31/01/2021

डॉ.शैलेन्द्र सिंह बने श्रेष्ठ नोडल ऑफिसर

स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालयीन स्तर पर जिला स्तरीय नोडल आफिसर का पुरस्कार दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह को प्रदान किया गया। जिला कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधीश श्री तारण प्रसाद सिन्हा द्वारा डॉ. सिंह को प्रतीक चिन्ह तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा 7000 हजार रुपये की राशि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर द्वारा भी प्रदान की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी.एल. मारकण्डे, उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री खेमलाल वर्मा, जिला साक्षरता मिशन की प्रभारी श्रीमती रश्मि सिंह उपस्थित थी। उल्लेखनीय यह लगातार पाचवां वर्ष है जब उन्हें श्रेष्ठ नोडल आफिसर का पुरस्कार दिया गया। पिछले वर्ष वे संयुक्त रुप से विजेता थे। डॉ. सिंह ने इस पुरस्कार हेतु प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर, एन.एस.एस./एन.सी.सी. के अधिकारियों तथा राजनांदगांव से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों के प्रमुखों, श्री सुनील सिंह एवं श्री संतराम वर्मा का विशेष आभार जताया जिन्होने उन्हें इस कार्य हेतु अपना सहयोग प्रदान किया था।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, राजनांदगांव (छ.ग.)

प्रशस्ति पत्र

जिले में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2022 में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण कार्य करने एवं महाविद्यालय में स्वीप गतिवि संचालन में सर्वोत्कृष्ट कार्य के लिये **डॉ. शैलेन्द्र सिंह** नोडल अधिकारी स्वीप, सहायक प्राध्यापक शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महावि राजनांदगांव को ''राष्ट्रीय मतदाता दिवस'' 25 जनवरी 2022 के अवसर पर जिला स्तरीय उत्कृष्ट नोडल प्रोफेसर पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से र किया जाता है।

उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं सहित..........

भारत निर्वाचन आयोग
ELECTION COMMISSION OF INDIA

स्थान :- राजनांदगांव
दिनांक :- 25 जनवरी 2022

Taran

कलेक्टर
एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
राजनांदगांव (छ.ग.)

विषय विशेषज्ञ के रुप में व्याख्यान

(1) राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी –स्वातंत्र्य समर और छत्तीसगढ़ – 21–22 अक्टुबर 2021

केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर

(2) अगस्त कांति महोत्सव – 10 अगस्त 2021

आयोजक – इतिहास विभाग पं. श्यामाचरण शुक्ल कॉलेज धरसीवा

(3) अतिथि व्याख्यान – 16 जुलाई 2021 शास. महा. अंबागढ़ चौकी

(4) एन.एस.एस. के 7 दिवसीय शिविर के व्याख्यान

(5) शास. महा. ठेलकाडीह में मतदाता जागरुकता पर व्याख्यान

(6) जिला लोक शिक्षण समिति द्वारा शास. स्कूल छुईखदान के छात्र – छात्राओं हेतु

कैरियर काउसलिंग पर व्याख्यान – 24 फरवरी 2022

(7) नौसेना दिवस 1 दिसम्बर 2021 पर व्याख्यान

(8) 12 दिसम्बर को आयोजित युवा दिवस पर व्याख्यान

GOVT. PT. SHYAMACHARAN SHUKLA COLLEGE, DHARSIWA
RAIPUR, CHHATTISGARH
Affiliated to Pt. Ravishanker Shukla University
Registered Under Section 2(F) & 12(B) of UGC Act
Accredited by NAAC with Grade-B

One Day National Webinar
On
अगस्त क्रान्ति महोत्सव

(विषय– अगस्त क्रान्ति और स्वाधीनता)

Organized by :- Department of History
On 10th August 2021 at 12:00 PM

Dr. Smt. Vinod Sharma
(Principal)

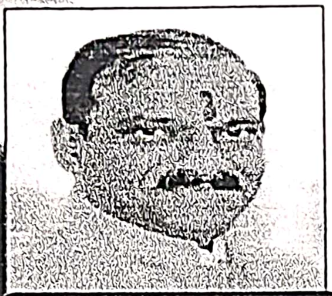

Dr. Prashant Puranik
Professor & Head, Dept of History

Dr. Rakesh Singh
Prof. & Head Dept. of History

Dr. Abha Tiwari-Dwivedi
HOD Dept of History

Dr Ramendra Nath Mishra
Rtd, Professor, Dept of History

Dr. Shailendra Singh
(Prof. & Head)
Dept. Of History

Dr. Shabnoor Siddiqui
(Convenor)
(Prof. & Head) Dept. of History

Dr. Rashmi Kujur
Organizing Secretary

Mr. Devashish Pradhan
(Technical Advisor)

प्रस्तावना

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समिति द्वारा अगस्त प्रस्ताव के पश्चात 9 अगस्त 1942 को अगस्त कांति की शुरूआत हो गई । अगस्त कांति का प्रारंभ ही स्वतंत्रता की गांरटी था। "करो या मरो" के नारे ने देश को नई उर्जा प्रदान की और हर क्षेत्र और हर वर्ग इसमें शामिल हो गया । पुरूषों के साथ-साथ महिलाएं भी सकिय हो गई । गांधी जी ने अपने समाचार पत्र "हरिजन सेवक" के स्तंभ में यह स्पष्ट किया कि अंग्रेजों को भारत छोड़ने के सिवा कोई रास्ता नहीं है और प्रमुख विशेषता यह रही कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, हिन्दू महासभा, मुस्लिम लीग, कम्यनिस्ट एक मंच पर आ गय । द्वितीय विश्व युद्ध के बीच इस बड़ी कांति ने स्वाधीनता के स्वप्न को साकार किया ।

"Schedule of One day National Webinar
On

अगस्त क्रान्ति महोत्सव—अगस्त क्रान्ति और स्वाधीनता **Date 10-Aug-2021 , Time 12:00 PM**

Particulars	Time
Invocation and verbal welcome By **Dr. Shabnoor Siddiqui** Prof. & Head Dept. of History Govt. Pt. Shyamacharan Shukla College, Dharsiwa,Raipur (C.G.)	12:00 pm to 12:05 pm
Speech by **Dr. Smt.Vinod Sharma** Principal, Govt. Pt. Shyamacharan Shukla College, Dharsiwa,Raipur (C.G.)	12:05pm to 12:10 pm
Speech by **Dr. Prashant Puranik** Registar & Professor Dept. of History , Vikram University Ujjain (M.P.)	12:10 pm to 12:25 pm
Speech by **Dr. Rakesh singh** Prof. & Head Dept. of History, Indira Gandhi National Tribal University Amarkantak (M.P.)	12:25 pm to 12:55 pm
Speech by **Dr. Abha Tiwari- Dwivedi** HOD Dept. of History , S.S. Girls' college Gondia (Maharastra)	12:55 pm to 1:25 pm
Speech by **Dr. Shailendra Singh** Prof. & Head, Dept of History,Govt. Digvijay College, Rajnandgao(C.G.)	1:25 pm to 1:55 pm
Speech by **Dr. Ramendra Nath Mishra** Rtd , Professor, Dept of History, Pt. R .S. S. University Raipur (C.G.)	1:55 pm to 2:25 pm
Vote of Thanks by **Dr. Shabnoor Siddiqui** (Prof. & Head Dept. of History, Govt. Pt. Shyamacharan Shukla College, Dharsiwa,Raipur)	2:25 pm to 2:30 pm

GOVT. PT. SHYAMACHARAN SHUKLA COLLEGE, DHARSIWA

RAIPUR, CHHATTISGARH

Affiliated to Pt. Ravishanker Shukla University

Registered Under Section 2(F) & 12(B) of UGC Act

Accredited by NAAC with Grade-B

One Day National Webinar

On

अगस्त क्रान्ति महोत्सव

(विषय– अगस्त क्रान्ति और स्वाधीनता)

Organized by :- Department of History

On 10th August 2021 at 12:00 PM

Certificate of Honour & Appreciation

This certificate is being presented to by **Dr. Shailendra Singh** Prof. & Head, Dept of History, Govt. Digvijay College, Rajnandgao(C.G.) for sharing his valuable knowledge as a Speaker in one day National Webinar on the occasion of "अगस्त क्रान्ति महोत्सव" *Organized by Department of History,* Govt. Pt. Shyamacharan Shukla College, Dharsiwa,Raipur (C.G.)*on dated 10th of August 2021*

DR. SHABNOOR SIDDIQUI (CONVENOR)	DR. RASHMI KUJUR (ORGANIZING SECRETARY)	(DR. MRS. VINOD SHARMA) PRINCIPAL & PATRON

GOVT.L.C.S
COLLAGE
PRESENT

INVITE TO ALL DEAR STUDENT

ONLINE WEBINAAR ORGANIZED BY HISTORY DEPARTMENT

OUR SPECIAL GUEST IS DR.SHAILENDRA SINGH (HOD *HISTORY*IN GOVT DIGVIJAY COLLAGE RAJNANDGAON)

JULY 16,2021
TIME -11:30 TO 1 PM

WE PROVIDE GUIDANCE FOR FUTURE
CONTACT- 8770509361

Organized by
1)Dr.K.R.mandavi (principal)
2)Mr.J.R.parteti
3) Mr. Pratik Jain

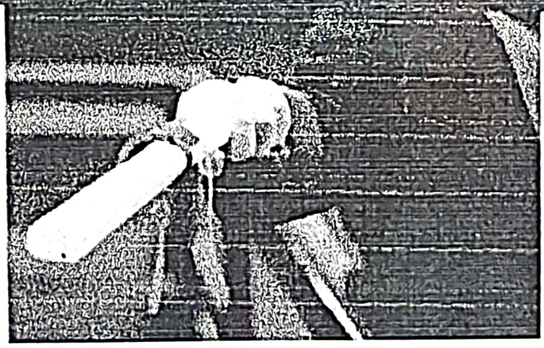

राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्वातंत्र्य समर और छत्तीसगढ़

दिनांक - 21-22 अक्टूबर 2021

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रो./डॉ./श्री/श्रीमती/कु. शैलेन्द्र सिंह (सहा. प्राध्यापक) राजनांदगांव

गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़, भारतीय इतिहास संकलन समिति, छत्तीसगढ़ प्रान्त एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 21-22 अक्टूबर 2021 को गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर में स्वातंत्र्य समर और छत्तीसगढ़ विषय पर आयेजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्ष / अतिथि वक्ता / विषय विशेषज्ञ/ शोधपत्र वाचक / प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए।

इनके शोध पत्र का विषय है ...... विषय विशेषज्ञ ......

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. नितेश कुमार मिश्र (अध्यक्ष) भारतीय इतिहास संकलन समिति छत्तीसगढ़ प्रान्त	प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र (समन्वयक) राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी	प्रो. शैलेन्द्र कुमार (कुलसचिव) गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़	प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल (कुलपति) गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़

ICHR

राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्वातंत्र्य समर और छत्तीसगढ़

दिनांक - 21-22 अक्टूबर 2021

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रो./डॉ./श्री/श्रीमती/कु. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर (सहा. प्राध्यापक) राजनांदगांव गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़, भारतीय इतिहास संकलन समिति, छत्तीसगढ़ प्रान्त एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 21-22 अक्टूबर 2021 को गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर में स्वातंत्र्य समर और छत्तीसगढ़ विषय पर आयेजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्ष / अतिथि वक्ता / विषय विशेषज्ञ/ शोधपत्र वाचक / प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए।

इनके शोध पत्र का विषय है राजनांदगांव रियासत में जंगल सत्याग्रह - बदराटोला में आंदोलन की भूमिका

अमृत महोत्सव

डॉ. नितेश कुमार मिश्र (अध्यक्ष) भारतीय इतिहास संकलन समिति छत्तीसगढ़ प्रान्त	प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र (संयोजक) राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी	प्रो. शैलेन्द्र कुमार (कुलसचिव) गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़	प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल (कुलपति) गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़

झलकियाँ – शिविर 2020–21

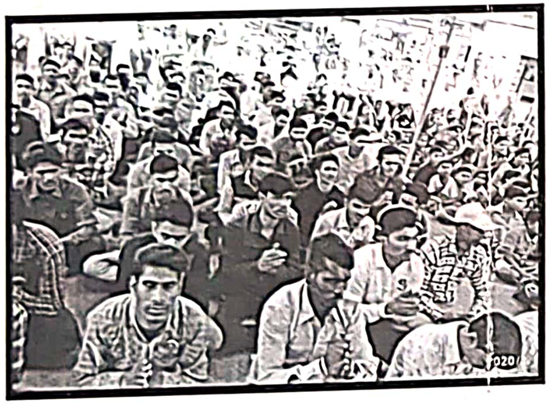

आशीर्वादक

डॉ. आर.पी. अग्रवाल
समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना,
हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग

डॉ. के.एल. टांडेकर, प्राचार्य
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

संरक्षक
समस्त ग्रामवासी भेड़ीकला

मार्गदर्शक
डॉ. सुरेश कुमार पटेल
जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना, राजनांदगांव

कार्यक्रम अधिकारी

प्रो. संजय देवांगन — मो. 9340861079

प्रो. नूतन देवांगन — मो. 9827402420

ग्राम – भेड़ीकला
गठुला से दाहिने ओर 3 किलो की दूरी पर स्थित है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

सात दिवसीय विशेष शिविर

ग्राम - भेड़ीकला

दिनांक – 17.02.2022 से 23.02.2022

थीम – ग्रामीण विकास में युवाओं की भूमिका

आमंत्रण

प्रति,
____
____
____

- प्रेषक -
प्राचार्य
शास. दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

एवं

अंर्तविभागीय व्याख्यान

Online Parent Teacher Meeting

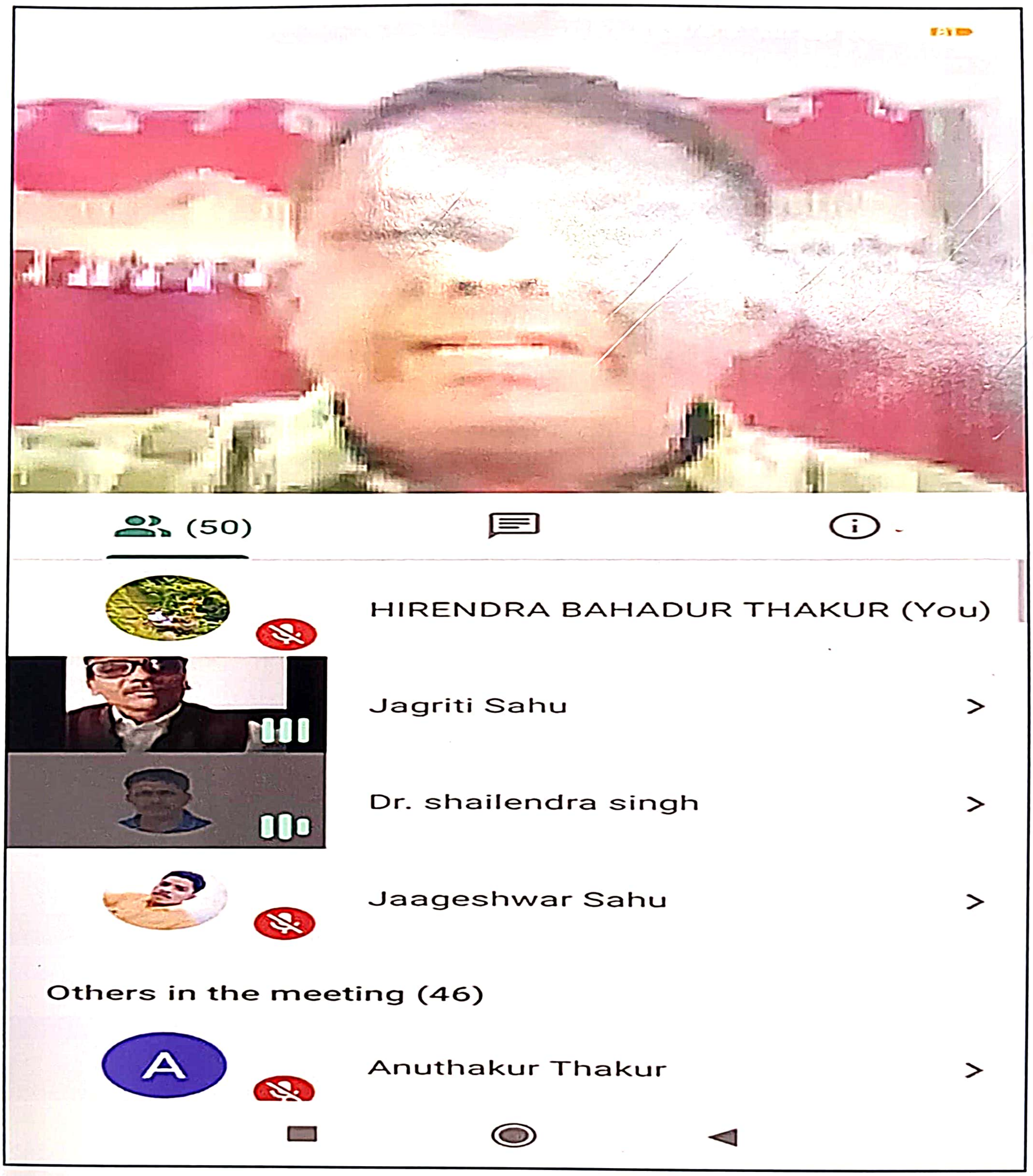

Online Interdisciplinary lectures

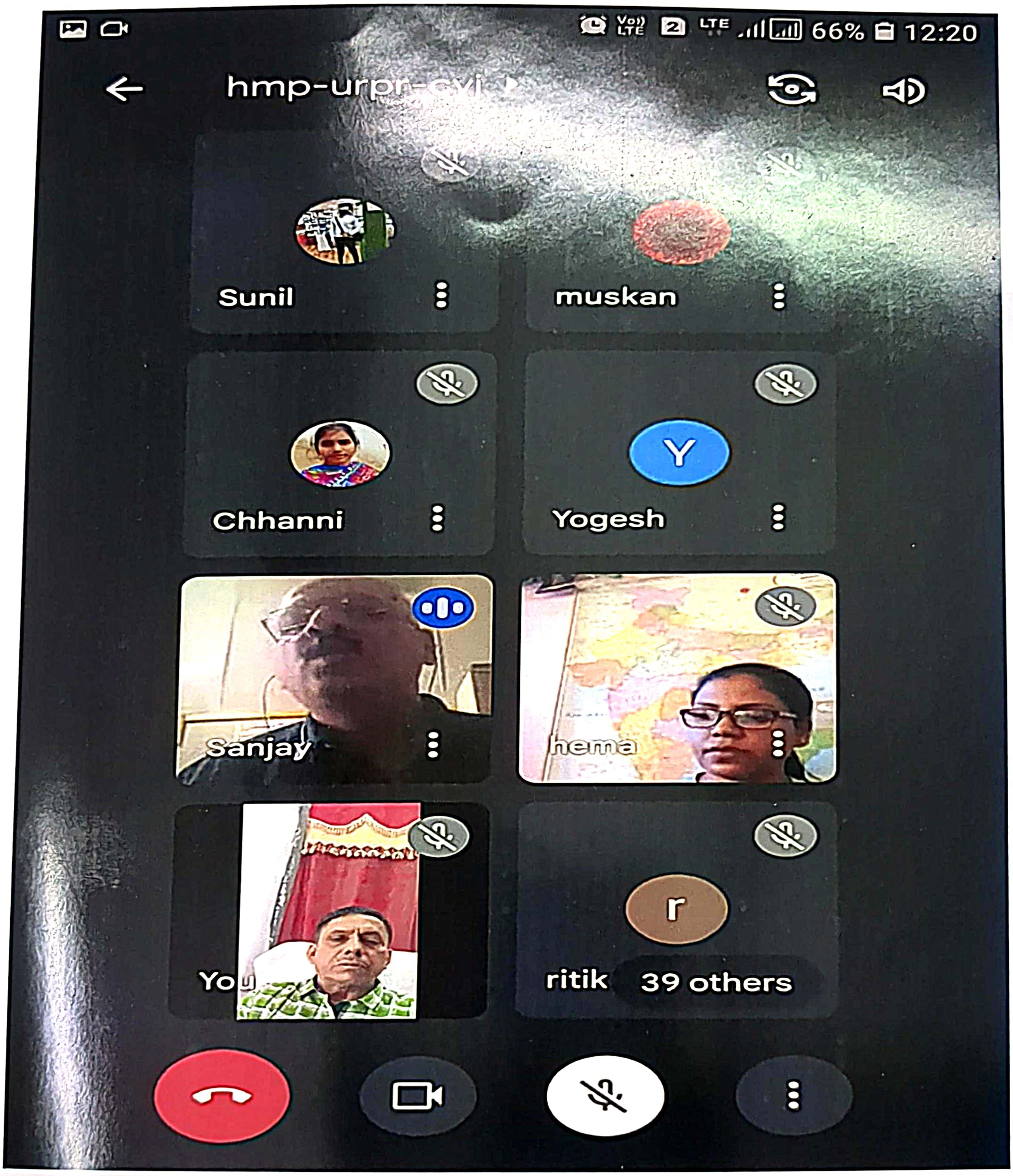

प्रो. चंदन सोनी का व्याख्यान

अंर्तविषयक व्याख्यान के अंतर्गत अंग्रेजी विभाग के प्रो. चंदन सोनी ने परीक्षा की तैयारी कैसे करें विषय पर अपना व्याख्यान दिया।प्रो. सोनी ने कहा कि परीक्षा में टाइम मैनेजमेंट सबसे महत्वपूर्ण होता हैं। आपको पता होना चाहिए कि 3 घंटे के समय में सभी प्रश्नों के उत्तर आपको देने है। प्रश्न कितने नंबर का है। उसके अनुसार उत्तर भी उतने शब्दो के अंदर होना चाहिए। लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर सीमित शब्दों में देना चाहिए। अगर आप टाइम मैनेजमेंट नहीं करते है तो आपका उत्तर छुट जाएगा और आपको कम अंक प्राप्त होगा। सभी प्रश्नों के अनूरूप ही होने चाहिए। एम.ए. के विद्यार्थियों को विद्वानों के कथन का भी प्रयोग भी उत्तर देते समय करना चाहिए।

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 26/10/2021

आजादी के 'अमृत महोत्सव' के अंतर्गत रैली एवं कार्यक्रम

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय, ठेलकाडीह के संयुक्त तत्वावधान में अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्यारे लाल सिंह ठाकुर के गृहग्राम सेमरा दैहान में प्रारंभ में रैली का आयोजन किया गया। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग, एन.सी.सी., एन.एस.एस. तथा शासकीय नवीन महाविद्यालय, ठेलकाडीह के एन.एस.एस. के छात्र–छात्राओं द्वारा ग्रामवासियों के सहयोग से रैली का आयोजन किया गया। रैली में छात्र–छात्राओं एवं ग्रामवासियों द्वारा प्यारेलाल सिंह जी अमर रहे के नारे लगाए गए।

श्रद्धांजलि सभा के मुख्य अतिथि श्री भुनेश्वर बघेल विधायक, डोंगरगढ़ तथा अध्यक्ष जनपद पंचायत के सभापति ओमप्रकाश साहू थे। विशिष्ट अतिथि के रुप में ठाकुर प्यारेलाल सिंह के पौत्र आशीष सिंह, ठेलकाडीह महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह, श्रीमती विनोदनी लहरे एवं सरपंच श्री रमेश ठाकुर थे। कार्यक्रम का प्रारंभ ठाकुर प्यारेलाल सिंह के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा ने कहा कि ठाकुर साहब असिमित प्रतिभा के धनी थे, वे एक अच्छे वकील के साथ–साथ क्रिकेट एवं फुटबाल के भी अच्छे खिलाड़ी थे। ठाकुर साहब की सक्रियता छात्र जीवन से ही था। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में ठाकुर साहब का महत्वपूर्ण योगदान था। राजनांदगांव मिलमजदूर आंदोलन में उनके नेतृत्व में जिस प्रकार मजदूरी की विजय हुई थी। वह इतिहास में अविष्मरणीय रुप से अंकित है। ठाकुर प्यारे लाल सिंह के पौत्र आशीष सिंह ने कहा कि दादाजी का जीवन सादगी पूर्ण था, छत्तीसगढ़ में सहकारी आंदोलन का श्रेय ठाकुर साहब को जाता है। श्री भुनेश्वर बघेल ने कहा कि ठाकुर साहब के कार्यो से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए, उन्होंने जो कार्य किया वह निसंदेह प्रेरणादायक है। इसलिए उन्हें त्यागमूर्ति की उपाधि प्रदान की गई थी। गांववासियों को ठाकुर साहब के आदर्शो का पालन करना चाहिए।

संपूर्ण कार्यक्रम में दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.बी.एन. मेश्राम के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। जिसमें एन.सी.सी. अधिकारी प्रो. हीरेन्द्र बहादूर ठाकुर, प्रो.विकास काण्डे, क्रीडाअधिकारी श्री अरुण

चौधरी, ठोलकाडीह महाविद्यालय के एन.एस.एस. अधिकारी श्री लालचंद सिन्हा, प्रो. विनय मसियारे सहित समस्त गांववासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ठाकुर प्यारेलाल सिंह के पौत्र देवेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा किया गया। अंत में दिग्विजय महाविद्यापलय के छात्र–छात्राओं द्वारा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया तथा समस्त ग्रामवासियों को शत–प्रतिशत् मतदान हेतु शपथ दिलाई गई।

महत्वपूर्ण आयोजन

(1) 1857 की क्रान्ति के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान – 16 फरवरी 2022

मुख्य वक्ता – डॉ गिरीश कुमार सिंह

(2) पी.एस.सी. टॉपर आस्था बोरकर का सम्मान एवं व्याख्यान – 25 नवम्बर 2021

(3) आई.पी.एस. गौरव राय का व्याख्यान – 12 फरवरी 2022

(4) जिलाधीश तारण प्रकाश सिन्हा का व्याख्यान

(5) ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी 25 फरवरी 2022

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College
Rajanandgaon (C.G.)

Special Lecture
on
1857 Revolution Various Dimensions

Organized by

Department of History and IQAC

16th February, 2022

Platform – Google Meet

Patron
Dr. K.L. Tandekar
Principal
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College Rajanandgaon (C.G.)

Guest of Honour
Dr. G.K. Singh
Principal
Durga Prasad Baljeet Singh (PG) College, Anupshahr (U.P.)

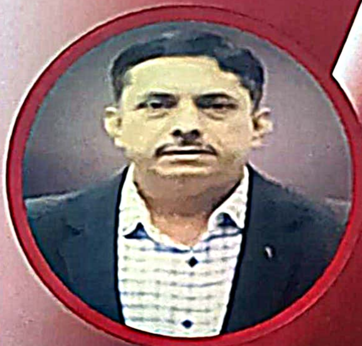

Convener
Dr. Shailendra Singh
HOD, History
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College Rajanandgaon (C.G.)

Organizing Secretary
Mr. H.B. Thakur
Assistant Professor
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College Rajanandgaon (C.G.)

TIME
12:00 PM TO 01:00 PM

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 17/02/2022

1857 के विद्रोहो के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान आयोजित

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा ''1857 के विद्रोहो के विभिन्न आयामों'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और बताया कि वर्तमान समय में ऐसे आयोजन से छात्र–छात्राओं को लाभ प्राप्त होता है। 1857 के विद्रोह के संदर्भ में नये आयाम आ रहे है अतः उस पर चर्चा हेतु यह आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से महाविद्यालय तथा अन्य क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ज्ञान की प्राप्ति होती है। 1857 के विद्रोहो के उपर हमेशा चर्चा होती रहती है, समयानुकूल नई – नई बाते सामने आ रही है। मुख्य वक्ता डॉ. गिरिश कुमार सिंह प्राचार्य दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह पी.जी. कॉलेज अनुपशहर (उ.प्र.) ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि क्या यह सैनिक विद्रोह था या एक राष्ट्रीय विद्रोह था या जैसा कि सावरकर ने इसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा था। इस विषय पर उन्होने पक्ष तथा विपक्ष में तर्क देते हुए बहुत ही अच्छे ढंग से विस्तारपूर्वक बताया कि आधुनिक शोधों में 1857 की क्रान्ति को हितो की सहभागिता के आधार पर हुआ संघर्ष माना जाता है क्योकि इसमें शामिल होने वाले सभी लोगो के हित अलग–अलग थे लेकिन सबको एक समान शत्रु थे अंग्रेज। अंग्रेजों के विरुद्ध भले ही अपने स्वार्थ रहे हो पर सभी ने मिलकर अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध विद्रोह किया। इस व्याख्यान में शासकीय दू. बजरंग कन्या महाविद्यालय, रायपुर, शासकीय नेहरु महाविद्यालय डोंगरगढ़, शासकीय पी.जी. कॉलेज दंतेवाडा, शासकीय महाविद्यालय, सहसपुर, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय, महासमुंद के प्राध्यापकों एवं छात्र–छात्राओं के साथ–साथ शोधार्थियों ने सहभागिता की आभार प्रदर्शन प्रो. हेमलता साहू द्वारा किया गया।

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग)
Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 17/02/2022

1857 के विद्रोहो के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान आयोजित

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा ''1857 के विद्रोहो के विभिन्न आयामों'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और बताया कि वर्तमान समय में ऐसे आयोजन से छात्र–छात्राओं को लाभ प्राप्त होता है। 1857 के विद्रोह के संदर्भ में नये आयाम आ रहे है अतः उस पर चर्चा हेतु यह आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से महाविद्यालय तथा अन्य क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ज्ञान की प्राप्ति होती है। 1857 के विद्रोहो के उपर हमेशा चर्चा होती रहती है, समयानुकूल नई – नई बाते सामने आ रही है। मुख्य वक्ता डॉ. गिरिश कुमार सिंह प्राचार्य दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह पी.जी. कॉलेज अनुपशहर (उ.प्र.) ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि क्या यह सैनिक विद्रोह था या एक राष्ट्रीय विद्रोह था या जैसा कि सावरकर ने इसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा था। इस विषय पर उन्होने पक्ष तथा विपक्ष में तर्क देते हुए बहुत ही अच्छे ढंग से विस्तारपूर्वक बताया कि आधुनिक शोधों में 1857 की क्रान्ति को हितो की सहभागिता के आधार पर हुआ संघर्ष माना जाता है क्योकि इसमें शामिल होने वाले सभी लोगो के हित अलग–अलग थे लेकिन सबको एक समान शत्रु थे अंग्रेज। अंग्रेजों के विरुद्ध भले ही अपने स्वार्थ रहे हो पर सभी ने मिलकर अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध विद्रोह किया। इस व्याख्यान में शासकीय दू. बजरंग कन्या महाविद्यालय, रायपुर, शासकीय नेहरु महाविद्यालय डोंगरगढ़, शासकीय पी.जी. कॉलेज दंतेवाडा, शासकीय महाविद्यालय, सहसपुर, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय, महासमुंद के प्राध्यापकों एवं छात्र–छात्राओं के साथ–साथ शोधार्थियों ने सहभागिता की आभार प्रदर्शन प्रो. हेमलता साहू द्वारा किया गया।

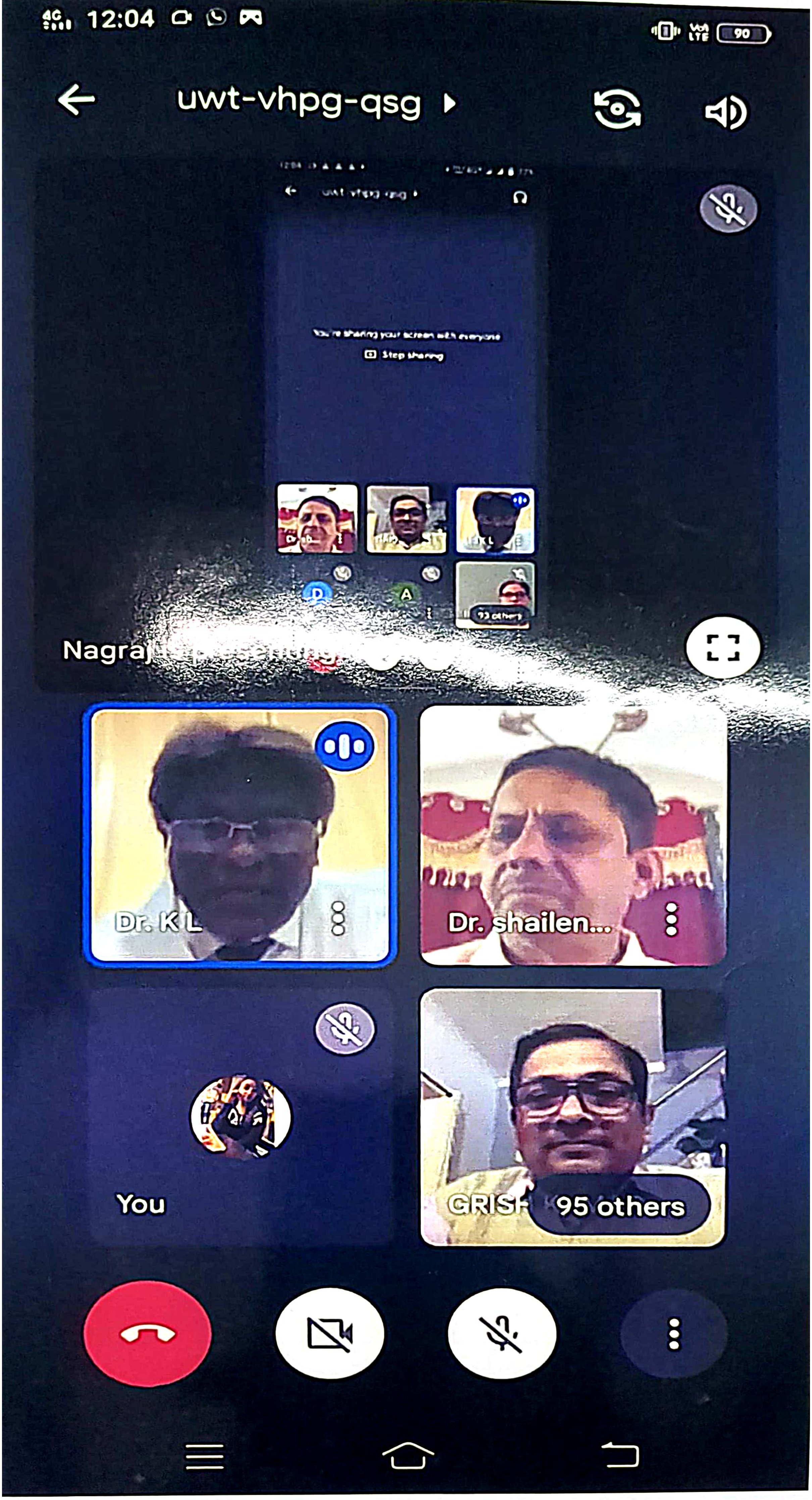
12:04
90
uwt-vhpg-qsg
You're sharing your screen with everyone
Stop sharing
Nagraj
Dr. K L
Dr. shailen...
You
95 others

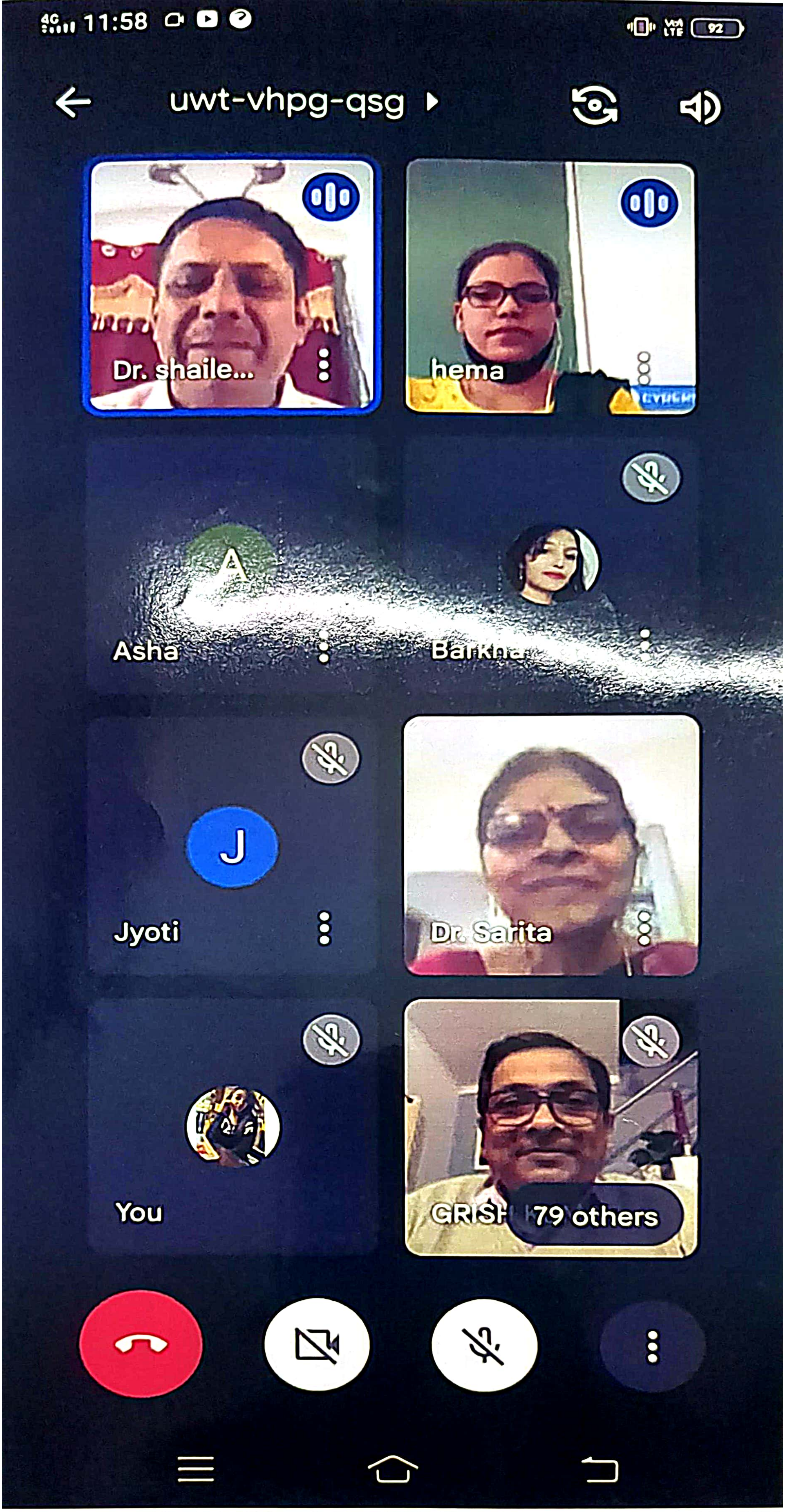
11:58
uwt-vhpg-qsg
Dr. shaile...
hema
Asha
Barkha
Jyoti
Dr. Sarita
You
79 others

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College
Rajanandgaon (C.G.)

Special Lecture
on
How to Get Success in Career

Organized by

Department of History and IQAC

Date
12th February, 2022

Time
11:00 AM to 12:00 PM

Place- New Hall
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College
Rajanandgaon (C.G.)

Place- New Hall
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College
Rajanandgaon (C.G.)

Special Guest Speaker
Shri Gaurav Rai (IPS)
CSP Rajnandgaon (C.G.)

Patron
Dr. K.L. Tandekar
Principal
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College Rajanandgaon (C.G.)

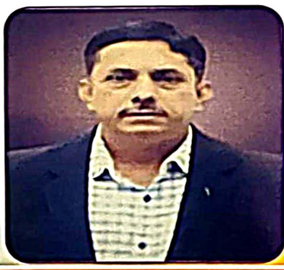

Convener
Dr. Shailendra Singh
HOD, History
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College Rajanandgaon (C.G.)

Organizing Secretory
Mr. H.B. Thakur
Assistant Professor
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College Rajanandgaon (C.G.)

राजनांदगांव दिनांक 12/02/2022

आई.पी.एस. अधिकारी गौरव राय द्वारा दिये सफलता के टिप्स

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग द्वारा **"कैरियर में सफलता कैसे प्राप्त करें"** विषय पर आई.पी.एस. अधिकारी श्री गौरव राय को अतिथि व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। श्री गौरव राय ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने जीवन के अनुभवो और अपने सफल होने के पूर्व की गई तैयारियों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि मैं एक एवरेज सिविल इंजीनीयरिंग का छात्र था किंतु हार्ड वर्क ने मुझे इस मुकाम पर पहुचाया। उन्होंने बताया कि जब आप किसी परीक्षा हेतु तैयारी करते है तब सर्वप्रथम पाठ्यक्रम का अवलोकन करें तथा अनुशासनपूर्वक कठोर मेहनत करें। अपनी सफलता के दो टिप्स उन्होंने विद्यार्थियों को बताया।

उन्होंने कहा कि रिपिटिंग स्पेस और इंस्टेंट स्किल का ध्यान रखिए अर्थात् पाठ्यक्रम के पूर्णतः की ओर अग्रसर होने के समय भी कक्षा में पढ़ाया गया पहला टॉपिक आपका तैयार होना चाहिए तथा जिस टॉपिक का पार्ट कठिन लगता है उसका लगातार रिविजन करते रहना चाहिए। उन्होने टेस्ट सीरीज को भी सफलता हेतु महत्वपूर्ण बताया तथा कहा कि टेस्ट से आपके कैलिबर की परीक्षा होती है। इसलिए टेस्ट द्वारा स्वयं को लगातार समझते रहिये।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि एक उच्च स्तर के अधिकारी महाविद्यालय के छात्रों को मोटिवेट करते आए है। यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने श्री गौरव राय का परिचय देते हुए बताया कि श्री गौरव राय इतने सहज और सरल है कि विद्यार्थियों को मोटिवेट करने के लिए उन्होंने तत्काल अपनी सहमति प्रदान की। इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्राध्यापिका प्रो. हेमलता साहू, प्रो. संजय सप्तर्षि, प्रो. हेमंत नन्दागौरी, प्रो. विकास काण्डे, प्रो. शरद तिवारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित हुए। उन्होने श्री गौरव राय से अपनी अनेक जिज्ञासाओं और प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। एक विद्यार्थी प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सफलता हेतु समर्पण जरुरी है तथा त्यौहारों के वक्त अपना समय बर्बाद न कर तैयारी करते रहे। अतं में इतिहास विभाग के प्राध्यापक प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

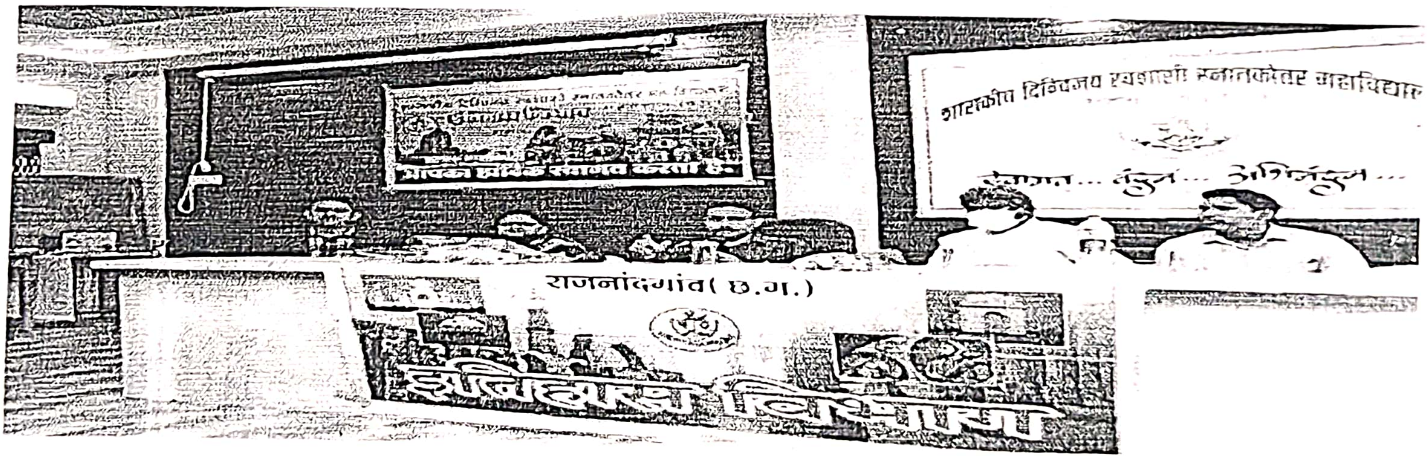

छात्र छात्राओ को सम्बोधित करते CSP गौरव राय
(दिनांक - 12 फरवरी 2022)

CSP गौरव राय महाविद्यालय के छात्र छात्राओ के साथ
(दिनांक - 12 फरवरी 2022)

Chhattisgarh PSC - 2021 Toper Astha Borkar

Chhattisgarh PSC - 2021 Toper Astha Borkar

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

इतिहास विभाग

द्वारा

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष व्याख्यान

मुख्य वक्ता

स्थान- पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सभागार (New Hall)

दिनांक- 25 फरवरी 2022
समय- [illegible]

श्री तारन प्रकाश सिन्हा
जिलाधीश राजनांदगांव
एवं

ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी

संरक्षक
डॉ. के.एल. टांडेकर
प्राचार्य
शा. दिग्विजय स्व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव छत्तीसगढ

संयोजक
डॉ. शैलेंद्र सिंह
विभागाध्यक्ष
इतिहास

आयोजन सचिव
श्री हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर
सहायक प्राध्यापक
इतिहास

राजनांदगांव दिनांक 25/02/2022

प्रत्येक युवा हेतु इतिहास का ज्ञान आवश्यक – जिलाधीश सिन्हा

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले के जिलाधीश श्री तारन प्रकाश सिन्हा के व्याख्यान का आयोजन किया गया। माननीय जिलाधीश श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने प्राचीन आधुनिक भारत पर अनेक दुर्लभ उदाहरणों को प्रस्तुत करते हुए बताया कि इतिहास के विद्यार्थी को समग्र दृष्टि से अध्ययन करना चाहिए, यदि वह सभी पक्षों द्वारा इतिहास का अध्ययन करता है तो उसे भारत की सर्वसमावेशी, विविधता पूर्ण संस्कृति का ज्ञान होता है। भारत धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति नस्ल आदि विविधताओं से भरा हुआ देश है, इसकी एकता को खण्डित नहीं किया जा सकता है। भारत अलग–अलग पंखुडियों से बना एक पुष्प है। उन्होने आजादी को अमृत महोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों से आजादी के नायको सुभाष चन्द्र बोस, महात्मा गांधी, भीमराव अम्बेडकर को याद करते हुए कहा कि युवाओं को यह नहीं भुलना चाहिए कि आजादी कितनी कठिनाइयों से प्राप्त हुई है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने माननीय जिलाधीश का महाविद्यालयीन परिवार की तरफ से स्वागत करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के लिए जिलाधीश महोदय का आगमन हुआ है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि जिलाधीश महोदय ने इतिहास के जिन तमाम पक्षों की सरलतापूर्वक व्याख्यान की है। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को आजादी का मूल्य समझना होगा, हमने काफी संघर्षो के बाद आजादी पाई है। वर्तमान समय में हमें इतिहास का महत्व समझना होगा और अपनी पुरानी गौरव शाली संस्कृति को प्राप्त करना होगा।

ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी

श्री आशीष दास भिलाई के द्वारा ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें गांधी जी के पत्रों के साथ–साथ, गांधी जी के विभिन्न लेखो हरिजन समाचार पत्र की कापी तथा 1857 की क्रान्ति के समय के बटन को भी प्रदर्शनी के समय दिखाया गया।

अंत में इतिहास विभाग की तरफ से जिलाधीश महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट स्वरुप प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रो. हीरेन्द्र बहादूर ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम में प्रो. एच.एस. अलरेजा, प्रो. विकास काण्डे, प्रो. संजय सप्तर्षि, प्रो. हेमंत नन्दागौरी, श्री शरद तिवारी, प्रो. हेमलता साहू, प्रो. मोहित साहू सहित इतिहास विभाग के विद्यार्थी के साथ–साथ एन.सी.सी., एन.एस.एस. तथा महाविद्यालय के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

इतिहास विभाग

द्वारा

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष व्याख्यान

मुख्य वक्ता

स्थान- पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सभागार (New Hall)

दिनांक- 25 फरवरी [illegible]

समय- 11:00 बजे

श्री तारन प्रकाश सिन्हा

जिलाधीश राजनांदगांव

एवं

ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी

संरक्षक
डॉ. के.एल. टांडेकर
प्राचार्य
शा. दिग्विजय स्व. स्नातकोत्तर
महाविद्यालय राजनांदगांव छत्तीसगढ़

संयोजक
डॉ. शैलेंद्र सिंह
विभागाध्यक्ष
इतिहास

आयोजन सचिव
श्री हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर
सहायक प्राध्यापक
इतिहास

जिलाधीश श्री तारन प्रसाद सिन्हा महाविद्यालय के छात्र छात्राओ के साथ (दिनांक - 25 फरवरी 2022)

जिलाधीश श्री तारन प्रसाद सिन्हा का उद्बोधन (दिनांक - 25 फरवरी 2022)

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग)

Web site- www.gdcr.ac.in Email: principal@digvijaycollege.com

राजनांदगांव दिनांक 01 / 04 / 2022

पं. लोचन प्रसाद पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ के इतिहास को रेखांकित किया – डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं छत्तीसगढ़ अन्वेषक संस्थान रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में महाकोशल इतिहास परिष की 101वीं स्थापना वर्ष पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ का इतिहास काफी समृद्धशाली है और समय के अनुसार बहुत सारी नवीन ऐतिहासिक तथ्य सामने आ रही है। इसलिए विद्यार्थियों को क्षेत्रीय इतिहास में अधिक कार्य करना चाहिए। मुख्य वक्ता वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र ने कहा कि पंडित लोचन प्रसाद ने अपने जीवन काल में अनेक जगहों का भ्रमण किया। साहित्यिक गोष्ठियों, सम्मेलनों, कांग्रेस अधिवेशन, इतिहास–पुरातत्व खोजी अभियान में वे सदा तत्पर रहे। उनके खोज के कारण ही छत्तीसगढ़ के अनेक शिलालेख, ताम्रपत्र प्रकाश में आए।

विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि पंडित जी ने 1905 में कलकत्ता से इंटर की परीक्षा पास करके बनारस गये और वहां अनेक साहित्यिकारों से उनका संपर्क हुआ। उन्हें उडिया बंगाली और संस्कृत भाषा की भी ज्ञान था। छत्तीसगढ़ के क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में पंडित जी का महत्वपूर्ण योगदान था।

कोसल प्रशस्ति रत्नावली का विमोचन

(पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय द्वारा संपादित कोसल प्रशस्ति रत्नावल को विमोचन किया गया। इस पुस्तक में प्राचीन इतिहास संबंधी शिला और ताम्रलेखों का संग्रह है।)

कार्यक्रम का संचालन प्रो हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार प्रो. हेमलता साहू द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता सेनानी ठा. प्यारेलाल याद किए गए

अमृत महोत्सव ● छत्तीसगढ़ में सहकारी आंदोलन का श्रेय ठाकुर साहब को जाता है

राजनांदगांव (नईदुनिया न्यूज)। दिग्विजय महाविद्यालय व नवीन महाविद्यालय टेलकाडीह के संयुक्त तत्वावधान में अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्यारे लाल सिंह ठाकुर के गृहग्राम सेमरा देहान में प्रारंभ में रैली का आयोजन किया गया।

दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग, एनसीसी, एनएसएस तथा शासकीय नवीन महाविद्यालय टेलकाडीह के एनएसएस के छात्र-छात्राओं रैली निकाली गई। छात्रों ने रैली निकालकर ठाकुर प्यारेलाल सिंह अमर रहे के नारे लगाए। मुख्यअतिथि डोंगरगढ़ विधायक भुनेश्वर बघेल थे। अध्यक्षता जनपद सदस्य ओमप्रकाश साहू ने की। विशिष्टअतिथि के रूप में ठाकुर प्यारेलाल सिंह के पौत्र आशीष सिंह, टेलकाडीह महाविद्यालय के प्राचार्य डा.आलोक मिश्रा, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डा.शैलेन्द्र सिंह, विनोदनी लहरे एवं सरपंच रमेश ठाकुर उपस्थित रहे।

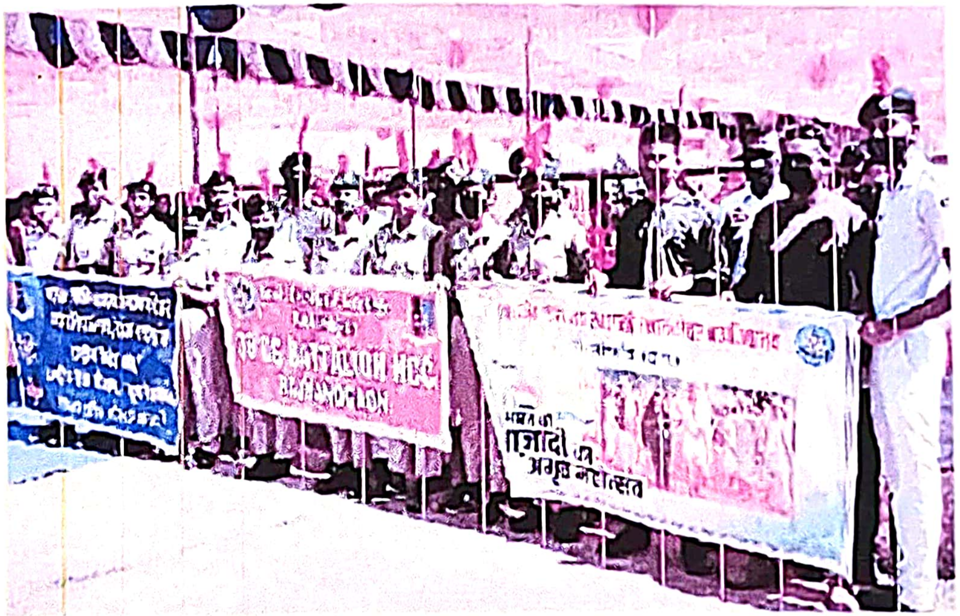

छात्रों द्वारा रैली निकाली गई। ● नईदुनिया

प्राचार्य डा. आलोक मिश्रा ने कहा कि ठाकुर साहब असिमित प्रतिभा के धनी थे, वे एक अच्छे वकील के साथ-साथ क्रिकेट एवं फुटबाल के भी अच्छे खिलाड़ी थे। ठाकुर साहब की सक्रियता छात्र जीवन से ही था।

त्यागमूर्ति की उपाधि प्रदान की गई थी : डा.शैलेंद्र सिंह ने कहा छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में ठाकुर साहब का महत्वपूर्ण योगदान था। राजनांदगांव मिल मजदूर आंदोलन में उनके नेतृत्व में जिस प्रकार मजदूरी की विजय हुई थी, वह इतिहास में अविष्मरणीय रुप से अंकित है। ठाकुर प्यारे लाल सिंह के पौत्र आशीष सिंह ने कहा कि दादाजी का जीवन सादगी पूर्ण था, छत्तीसगढ़ में सहकारी आंदोलन का श्रेय ठाकुर साहब को जाता है। भुनेश्वर बघेल ने कहा कि ठाकुर साहब के कार्यों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए, उन्होंने जो कार्य किया वह निसंदेह प्रेरणादायक है। इसलिए उन्हें त्यागमूर्ति की उपाधि प्रदान की गई थी। गांववासियों को ठाकुर साहब के आदर्शो का पालन करना चाहिए। इस दौरान एनसीसी अधिकारी प्रोफेसर हीरेंद्र बहादूर ठाकुर, प्रोफेसर विकास काण्डे, क्रीडाअधिकारी अरुण चौधरी, टेलकाडीह महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी लालचंद सिन्हा, प्रोफेसर विनय मसियारे व अन्य मौजूद रहे।

रैली का आयोजन

- प्यारेलाल के मार्गदर्शन में मजदूर आंदोलन में मजदूरी की हुई थी विजय
- वे एक अच्छे वकील के साथ क्रिकेट और फुटबाल के थे बेहतर खिलाड़ी

कठिन परिश्रम से मिलती है सफलता : आस्था

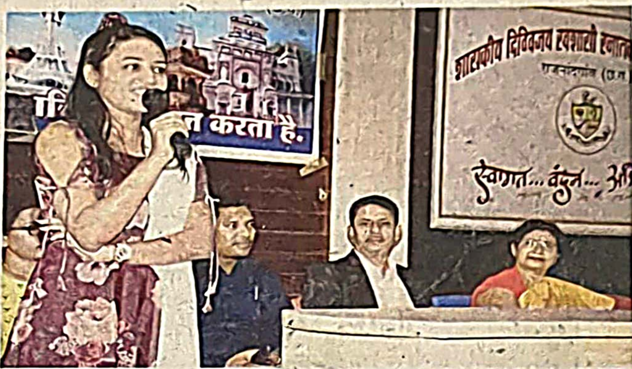

डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित आस्था ने छात्रों को दिया मार्गदर्शन। ● नईदुनिया

राजनांदगांव (नईदुनिया न्यूज)। दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता कैसे प्राप्त करें था। व्याख्यान में राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली आस्था बोरकर व सहायक प्राध्यापक परीक्षा इतिहास विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दीपक वर्मा थे।

आस्था बोरकर ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए आपको लक्ष्य का निर्धारण करना होगा। मुख्य परीक्षा से पहले आपको मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार होना चाहिए आपकी तैयारी परीक्षा तिथि से 15 दिनों पहले हो जानी चाहिए और अंतिम समय में आप केवल अच्छे से रिविजन का कार्य करें। सामान्य अध्ययन के लिए साक्षात्कार से पहले न्यूज पेपर का अच्छे से अध्ययन करें और मुख्य बातों को नोट करते रहें।

दीपक वर्मा ने कहा कि यूजीसी नेट की तैयारी के लिए प्रारंभ में सिलेबश के महत्वपूर्व बिंदुओं पर फोकस करें। अधिक से अधिक मार्गदर्शन लें, पुरानी प्रश्न पत्रों का अध्ययन करें और देखें कि परीक्षा में प्रश्नों का पैट्र्न किस तरह का है आप सही दिशा में तैयारी करोंगे तो सफलता आपको अवश्य प्राप्त होगी।

व्याख्यान के पश्चात एक घंटे तक विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दोनों अतिथियों द्वारा दिया गया।

अनभुव का मिलेगा लाभ: विभागाध्यक्ष डा.शैलेन्द्र सिंह ने व्याख्यान माला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा की दोनों वक्ताओं के अनुभवों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त होगा जो उनके कैरियर के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। ऐसे आयोजन से हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करें। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. बीएन मेश्राम ने कहा कि हमारे बीच दो ऐसे विद्यार्थी हैं जिन्होंने राजनांदगांव का नाम प्रदेश स्तर पर ऊंचा किया है। हमारा प्रयास है, कि हम ऐसे विषयों पर व्याख्यान का आयोजन करें जिससे महाविद्यालय के अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभांवित हो विद्यार्थियों को कड़ी परिश्रम करनी चाहिए जिससे उन्हें अवश्य सफलता मिलेगी।

24/01/2022

सबेरा संकेत

राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर जगह-जगह हुआ कार्यक्रम

41 वर्ष की आयु में नेताजी कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे

नगर प्रतिनिधि

राजनांदगांव। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125 वीं जयंती आज शहर में कोरोना के चलते सादगीपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया और उनके योगदानों का स्मरण किया गया। विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं में संक्षिप्त कार्यक्रम आयोजित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला और उनके दिखाए गए मार्गों का अनुकरण करने का आव्हान किया गया।

दिग्विजय कॉलेज

नेताजी की जयंती की पूर्व संध्या में 22 जनवरी को दिग्विजय कॉलेज में नेताजी की जयंती पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर द्वारा सुभाषचंद्र बोस की जीवनी पर प्रकाश डाला। इसी तरह उन्होंने कहा कि नेताजी शुरू से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। 1919 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद वे इंग्लैंड चले गए और 1920 में उन्होंने भारतीय सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया। वे देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाना चाहते थे इसलिए वे भारत लौटे आए और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गए। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 41 वर्ष की आयु में वे सबसे कम आयु में कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उनकी कार्यशैली और विचारधारा अलग थी इसलिए कांग्रेस छोड़कर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए देश के बाहर जाने का निर्णय लिया। उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन किया और तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा देकर युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम में कूदने का आव्हान किया जिसके परिणामस्वरूप देश आजाद हुआ।

…पुर, शनिवार 26 फरवरी 2022
haribhoomi.com

युवाओं को इतिहास का ज्ञान जरूरी: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

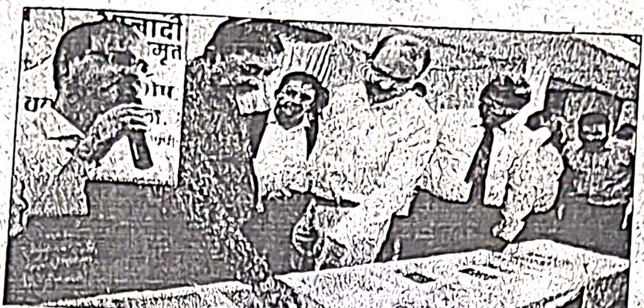

शासकीय दिग्विजय कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग द्वारा शुक्रवार को कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के व्याख्यान का आयोजन किया गया। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने प्राचीन आधुनिक भारत पर अनेक दुर्लभ उदाहरणों को प्रस्तुत करते बताया कि इतिहास के विद्यार्थी को समग्र दृष्टि से अध्ययन करना चाहिए। यदि वह सभी पक्षों द्वारा इतिहास का अध्ययन करते हैं तो उसे भारत की सर्व समावेशी, विविधता पूर्ण संस्कृति का ज्ञान होता है।

भारत धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति नस्ल आदि विविधताओं से भरा हुआ देश है, इसकी एकता को खंडित नहीं किया जा सकता। भारत अलग-अलग पंखुडियों से बना पुष्प है। उन्होंने आजादी को अमृत महोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों से आजादी के नायकों सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, भीमराव अम्बेडकर को याद करते कहा कि युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि आजादी कितनी कठिनाइयों से प्राप्त हुई है। कार्यक्रम में प्रो. एचएस. अलरेजा, प्रो. विकास कांडे, प्रो. संजय सप्तर्षि, प्रो. हेमंत नंदागौरी, शरद तिवारी, प्रो. हेमलता साहू, प्रो. मोहित साहू सहित इतिहास विभाग से विद्यार्थी के साथ एनसीसी, एनएसएस तथा महाविद्यालय के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इतिहास का किया बखान

प्राचार्य डॉ. केएल. टांडेकर ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमारे कॉलेज के विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने जिलाधीश का आगमन हुआ है। कार्यक्रम का संचालन करते इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि जिलाधीश ने इतिहास के तमाम पक्षों का सरलता से व्याख्यान किया है।

ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी

आशीष दास भिलाई द्वारा ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें गांधीजी के पत्रों के साथ, गांधीजी के विभिन्न लेखों हरिजन समाचार पत्र की कॉपी तथा 1857 की क्रांति के समय के बटन को भी प्रदर्शनी के समय दिखाया गया।

दैनिक भास्कर

तिहास का अध्ययन समग्र दृष्टि से करने की जरूरत

वजय कॉलेज के इतिहास विभाग में हुआ व्याख्यान, कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कई उदाहरणों से बताया

स्कर न्यूज | राजनांदगांव

य कॉलेज के इतिहास में व्याख्यान का आयोजन गया। इसमें वक्ता के रूप क्टर तारन प्रकाश सिन्हा हुए। उन्होंने इतिहास के यों को समग्र दृष्टि से पर जोर दिया।

यान में कलेक्टर ने प्राचीन भारत पर अनेक दुर्लभ को प्रस्तुत करते हुए के इतिहास के विद्यार्थी पक्षों द्वारा इतिहास का करते हैं तो उन्हें भारत मावेशी, विविधता पूर्ण का ज्ञान होता है। भारत , भाषा, संस्कृति नस्ल धताओं से भरा हुआ सकी एकता को खंडित नहीं किया जा सकता है। भारत अलग-अलग पंखुड़ियों से बना एक पुष्प है। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों से आजादी के नायकों सुभाष चन्द्र बोस, महात्मा गांधी, भीमराव अम्बेडकर को याद करते हुए कहा कि युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि आजादी कितनी कठिनाइयों से प्राप्त हुई है।

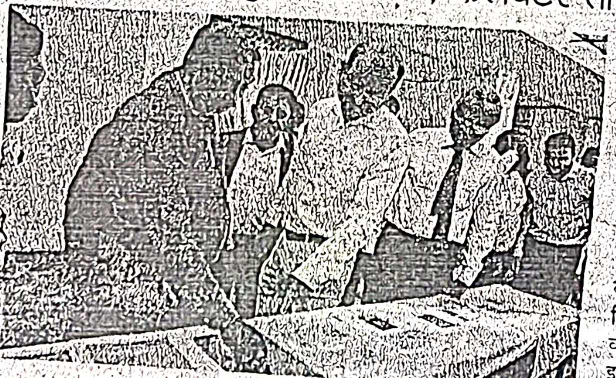

राजनांदगांव. कलेक्टर ने प्रदर्शनी में भी ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखा।

गौरवशाली संस्कृति को प्राप्त करना होगा

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कलेक्टर के महाविद्यालयीन परिवार की तरफ से स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के लिए जिलाधीश का आगमन हुआ है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि जिलाधीश ने इतिहास के जिन तमाम पक्षों की सरलतापूर्वक व्याख्यान की है। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को इतिहास का महत्व समझना होगा और अपनी पुरानी गौरवशाली संस्कृति को प्राप्त करना होगा।

ऐतिहासिक दस्तावेजों की लगी प्रदर्शनी

कार्यक्रम के दौरान भिलाई के आशीष दास द्वारा ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें महात्मा गांधी के पत्रों के साथ-साथ, गांधी जी के विभिन्न लेखों हरिजन समाचार पत्र की कापी तथा 1857 की क्रान्ति के समय के बटन को भी प्रदर्शनी के समय दिखाया गया। इतिहास विभाग की तरफ से जिलाधीश को स्मृति चिन्ह भेंट स्वरुप प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रो. हीरेन्द्र बहादूर ठाकुर ने आभार ज्ञापन दिया। प्रो. एचएस अलरेजा, प्रो. विकास काण्डे, प्रो. संजय सप्तर्षि, प्रो. हेमंत नन्दागौरी, रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा सहित विभाग के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पत्रिका
राजनांदगांव, रविवार, 13 फरवरी 2022

ईपीएस अधिकारी गौरव राय ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

ीवन में सफलता के लिए समर्पण बहुत जरूरी

पत्रिका टेलेंट टॉक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ांदगांव. शासकीय दिग्विजय ज के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर र्गदर्शन में इतिहास विभाग द्वारा यर में सफलता कैसे प्राप्त करें पर अतिथि व्याख्यान हुआ। मुख्य य आईपीएस अधिकारी गौरव हे। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने के अनुभवों और अपने सफल पूर्व की गई तैयारियों पर विस्तृत ान दिया।

न्होंने बताया कि वे एक एवरेज त इंजीनीयरिंग के छात्र थे, किंतु हार्ड वर्क ने उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने बताया कि जब आप किसी परीक्षा के लिए तैयारी करते हैं, तब सर्वप्रथम पाठ्यक्रम का अवलोकन करें तथा अनुशासन पूर्वक कठोर मेहनत करें। अपनी सफलता के दो टिप्स उन्होंने विद्यार्थियों को बताया।

उन्होंने कहा कि रिपिटिंग स्पेस और इंस्टेंट स्किल का ध्यान रखिए अर्थात् पाठ्य₹ म के पूर्णतः की ओर अग्रसर होने के समय भी कक्षा में पढ़ाया गया। पहला टॉपिक आपका तैयार होना चाहिए तथा जिस टॉपिक का पार्ट कठिन लगता है, उसका लगातार रिविजन करते रहना चाहिए। उन्होंने टेस्ट सीरीज को भी सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया तथा कहा कि टेस्ट से आपके कैलिबर की परीक्षा होती है। इसलिए टेस्ट द्वारा स्वयं को लगातार समझते रहिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि एक उच्च स्तर के अधिकारी महाविद्यालय के छात्रों को मोटिवेट करते आए है। यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है। कार्य₹ म का संचालन करते हुए इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने गौरव राय का परिचय देते हुए बताया कि गौरव राय इतने सहज और सरल है कि विद्यार्थियों को मोटिवेट करने के लिए उन्होंने तत्काल अपनी सहमति प्रदान की।

इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्राध्यापिका प्रो. हेमलता साहू, प्रो. संजय सप्तर्षि, प्रो. हेमंत नन्दागौरी, प्रो. विकास काण्डे, प्रो. शरद तिवारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित हुए। उन्होंने गौरव राय से अपनी अनेक जिज्ञासाओं और प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। एक विद्यार्थी प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सफलता के लिए समर्पण जरुरी है तथा त्यौहारों के वक्त अपना समय बर्बाद न कर तैयारी करते रहे। अतं में इतिहास विभाग के प्राध्यापक प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।